

ॐ नमः श्रीसूर्यो॥ वृत्तविधानं स्थितं॥ आदि
नासिया॥ धूनिद्याय॥ ॐ आशा विष्यता नमः॥
न्यासः॥ ॐ देवी कनका मिनी द्रुदय नमः॥ ॐ मि
७ वन्धमथयनी द्विनसखा ह॥ ॐ देवी लक्ष्मी विं
तामसी द्विस्वयं योषट्॥ ॐ दक्षिण दिवायूच
गक्षयनी कवचयचंद्र॥ ॐ वन्द्यवन्द्यमथय

ननगय ॥ ॐ सूर्यो आशुताय ह॥ ॐ
कुसुमकनानं न्यासः॥ नमः नार्यो यागयूता
वन्द्यनाकृतधूर्यं नमः॥ आनन्द॥ गतावृति
॥ नकयूषासुनं॥ नकयूषासाधार्मी॥ नकयूषाध
सिनीसिखधर्मी॥ ॥ वन्द्यता॥ ॐ सूर्यो देवी द्रुदय

यनमः॥ नर्वसि नमिखाकं वयनं यामुना नृधिया शसुखान
 क॥ ॐ गंगाये नमः॥ ॐ यमूनोये नमः॥ ॐ (अदावले)
 ॐ सनखये नमः॥ ॐ नमदाये नमः॥ ॐ सिध
 वनमः॥ ॐ कावले नमः॥ ॐ गंधये नमः॥ ॐ
 कोडोये नमः॥ श्रावाहनादिचन्द्रनाकनयूयां
 नमः॥ ॥ अर्घ्याय लखनहाय॥ ॥ ॐ उरुन

धिखनकागाः हर्म्यां सवेगवाडिनी॥ अकथामि
 समत्यनाः सकनं मरुतं कर्ल॥ गक्षासिन्धुनाया
 दि॥ धर्लं खनहाय॥ ॥ तगायूकनं॥ ॐ नन्दिन
 नमः॥ ॐ महाकालाय शं ॐ रुद्रिय नमः॥
 ॐ विनायकाय नमः॥ ॐ अयाय नमः॥ स्क

॥ अर्घ्याय लखनहाय॥ ॥ ॐ उरुन
 ॥ अर्घ्याय लखनहाय॥ ॥ ॐ उरुन

ब्रह्मचर्यादिवर्गः

नारायणनमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
आधानकनमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥

ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥
ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥ ॐ नमः॥

च्यथायवर्गं कुर्यात् ॥ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 वद्याय नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 र्वगी सहि नाय नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
 य नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥

[illegible]



ययत्रासुहिता नमः॥ ॐ य नमः॥ नमः॥ गीसुहिताय नमः॥
ॐ उग्रयविकामनी सुहिताय नमः॥ ॐ सुभध्वनाय ॥ ॐ
नी सुहिताय नमः॥ ॥ मन्त्राय नमः॥ यश्वदाय नमः॥
ॐ सामवेदाय नमः॥ ॐ अथर्ववेदाय नमः॥ ॥ ॐ वज्रवा
य नमः॥ यापित्री नमः॥ ॐ सुभये नमः॥ ॥ नादिरय
नाक्रगयय नमः॥ ॥ नमः॥ कलहय नमः॥ ॥ ॐ कलहय नमः॥ ॥ कलहय
नमः॥ ॥ ॐ आदि ॥ गगभये नमः॥ ॥ ॐ गगभये नमः॥ ॥ नमः॥

येनमः॥ ॐ मनस्येन नमः॥ ॐ मनस्येन नमः॥ ॐ मनस्येन नमः॥
मः॥ ॐ उग्रयविकामनी सुहिताय नमः॥ ॐ सुभध्वनाय ॥ ॐ
सकमुषिण्या ॥ ॐ अ॥ ॐ सुभध्वनाय ॥ ॐ सुभध्वनाय ॥ ॐ
मय्यं गय नमः॥ ॐ नी सुहिताय नमः॥ ॐ नी सुहिताय नमः॥ ॐ
कलहय नमः॥ ॥ गगभये नमः॥ ॐ गगभये नमः॥ ॐ गगभये नमः॥
ॐ मकलासनाय ॥ ॐ वज्रनाय ॥ ॐ वज्रनाय ॥ ॐ वज्रनाय ॥ ॐ
वासुक्ये ॥ ॐ गगभये नमः॥ ॐ गगभये नमः॥ ॐ गगभये नमः॥

सनायशा ॐ महायद्वा सनायशा ॐ का कालियशा ॐ हां
या लायशा ॐ सुक साग न ह्या ॥ आवाहनादि ॥ ॐ तिसमूह
यूगनं ॥ ॥ गंगा गमयति यूगनं ॥ ॐ ब्राह्म न ह्य कय ॥ ॐ
मूषा सनायशा ॐ आभा दायशा ॐ युमा दाय नमः ॥ ॐ
विधिना कायशा ॐ विनायकायशा ॐ लम्बा दायशा ॥
ॐ हलि मूषा द ॥ ॐ गंग यथायशा ॥ आवाहनादि ॥ ॐ
मि (गङ्गा यथायशा ॥ गङ्गा ॥ आवाहनादि ॥ ॐ नन्दो यशा ॥

[illegible]

छिवा॥ रुद्र॥ नाग॥ ॐ वृ॥ गृह॥ सा अस्य सगद्यनिवा न
 ह्या २॥ श्रुवा रुद्रादि॥ ॥ सानं॥ ॐ गंगदिसुत ४ यूर्ध्वः सनिगं
 छीगना रुद्रं॥ सानं समर्थिगं तुल्याः गृहद्ययनमवनि॥ च द्रुम
 ॥ वचनं मया हूतः सो गंगमस्तनाहनं॥ गृहद्यगिनिगं रुद्र
 नदियीतां मम॥ सिंहना॥ वीनरुद्रसमस्त्यनः नियुक्तं द्य
 गयकात्रिनी॥ मुद्रि सिद्धि यदागानः सिंहनयुतिगृह्यनां
 भूतना॥ भूतनां भूतना ह्यायः द्याद्यं यष्टिदायकं॥ वि॥ ६६६६
 नायदवायः सर्वेषां वनवर्धनं॥ भूतना॥ वक्राय वीगं यनमः

बुद्धं कं मृदायु कथि गं न कृ द्रं दव द नो षो ग क्का यवी नं युगि
 गृह्णो ॥ यमु ॥ दि वांगे व मु सं कुर्न विवि गुं व मु ह्म रि गं
 क र्पा सादि मिर्द व मुं गृहा ध य म ध्व नि ॥ मा ल ह न ॥ का ला
 जि न य थ पृ ष्ठः यं य व र्ध सु ह्म रि गं विवि गुं यि ना मा ला
 गृहा ध य न म ध्व नि ॥ मा ह्य न ॥ मा ल्या नि सु ग न्धा निः मा ल्या नि
 वि वि श्र य वा म या गृ ना नि पू षा थः पू षां गृ द्र न मा मु त ॥ सु ग
 श्रु क ग ह्य न या ॥ य थ म ह्म र्वा य ह्म र्वा रिः य थ द र्वा सु थ म
 ग ॥ त ॥ श्री सु क नि मो हा ग्यः द र्वा पू षां न मा मु त ॥ रु न या ॥

[illegible]